पैकिंग सामग्री की खरीदों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार, आयातित पैकिंग सामग्री के उपयोग पर प्रतिबंध लगा कर, स्वदेशी सामग्री के प्रयोग को बढ़ावा देने का विचार रखती है यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) से (ग) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

रेल गाड़ी से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि

1836. श्री जिनेन्द्र कुमार जैन :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेल गाड़ियों द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में वार्षिक वृद्धि की अनुमानित दर कितनी है;

(ग) क्या यात्रियों की संख्या में हुई इस वृद्धि के कारण उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने रेल गाड़ियों की संख्या में भी वृद्धि की है;

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान यात्रियों की संख्या में प्रति वर्ष कितनी वृद्धि हुई है और इस मांग को पूरा करने के लिए औसतन कितनी रेल गाड़ियां बढ़ाई गई हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने चालू वर्ष और आगामी वर्षों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोई प्रभावी कार्य योजना तैयार की है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) से (ङ) एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

यात्री यातायात की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त यात्री गाड़ियां चलाई जाती हैं; लेकिन यह परिचालनिक व्यावहारिकता तथा वास्तविक एवं योजना संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है ।

पिछले तीन वर्षों के दौरान यात्रियों की संख्या में वर्षवार वृद्धि/कमी तथा यात्री गाड़ियों की दैनिक औसत संख्या इस प्रकार रही:—

वर्ष	पिछले वर्ष की तुलना में यात्रियों की संख्या में वृद्धि (+)/कमी (−) (मिलियन में)	पिछले वर्ष की तुलना में चलाई गई गाड़ियों की दैनिक औसत संख्या में वृद्धि
1988–89	−292	126
1989–90	+153	178
1990–91	+189	10

1989-90 की तुलना में 1990-91 में गाड़ियों की संख्या में कम वृद्धि इसलिए हुई क्योंकि खाड़ी संकट तथा देश में कानून और व्यवस्था की खराब स्थिति के कारण बहुत सी यात्री गाड़ियों को रद्द करना पड़ा ।

दिल्ली प्रशासन द्वारा सरकारी आवास का आवंटन

1837. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन, मकानों के पात्र व्यक्तियों को मकानों का आवंटन करता है;